लेखसिंह बनाम रघुनाथ वर्मा

13/25

27/4/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित / अनुपस्थित पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 7/5/25 को पेश हो।

7/5/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित / अनुपस्थित पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 14/5/25 को पेश हो।

14/5/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित / अनुपस्थित पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 4/6/25 को पेश हो।
अप्रार्थी संख्या 12 की ओर जवाब पेश किया
अतः शेष जवाब हेतु

4/6/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित / अनुपस्थित पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 11/6/25 को पेश हो।
1, 5, 6 की ओर जवाब प्रा० पत्र पेश किया

11/6/25 पत्रावली पेश हुई। अप्रार्थी संख्या 3, 6, 7, 10, 11 के
तौहीन तामील है व अतः वकील प्रार्थी के निवेदन के
आधार पर इनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल मे
लाई जाती है। शेष पक्षकार की ओर से उप० अधिवक्ता
की बहस सुनी गई। अप्रार्थी 10, 11 कायमी बाकी है।
अतः पत्रावली वास्ते आदेश हेतु 18/6/25 को पेश हो।

18/6/25 पत्रावली आज निर्णय के वास्ते आदेश O-9, R-9
प्रा० पत्र हेतु पेश हुई। पत्रावली का अवलोकन किया
गया। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रा० पत्र स्वीकार कर
वादपत्र को पुनः नम्बर पर लेने का निवेदन किया गया
है। जिस पर उप० वकील अप्रार्थीगण ने अपने जवाब
के प्रार्थी के तथ्यों का विरोध करते हुए उक्त की
उक्त प्रा० पत्र को खारिज करने का निवेदन किया।
उभय पक्ष की बहस व पत्रावली के अवलोकन के
आधार पर प्रार्थी का प्रा० पत्र स्वीकार करना
न्यायोचित है। जिससे वाद पत्र का गुणावगुण
पर निस्तारण हो सके। अतः प्रार्थीगण प्रा० पत्र
स्वीकार किया जाकर (वादपत्र) / प्रा० पत्र को
पुनः नम्बर पर लिया जाने का आदेश

फर्द अहकाम

यालय ____________________

हेमसिंह बनाम रघुनाथ वगै.

मा संख्या /वर्ष 13/25 : ____________________ /20 ____________________

	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से	विशेष विवरण
		परवाना जमा हो पत्रावली फैसल शुमार होकर दफ्तर दाखिल हो दर्ज नक्शा हो नक्शा (हस्ताक्षर) उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़ रेनवाल	